असफलता से डरें नहीं, ये सफलता की पहली सीढ़ी

जासं, मथुरा: जीएलए विश्वविद्यालय में अवादा फाउंडेशन के संयोजन में उत्कृष्ट शिक्षा अभियान की शुरुआत की गई। हैप्पीनेस इंजीनियर और मोटिवेशनल स्पीकर डा. अरुण भारद्वाज ने विद्यार्थियों को अपने सपनों को उड़ान देकर चैंपियन बनने की कला को विभिन्न गतिविधियों और प्रोजेक्टर प्रजेंटेशन के साथ प्रस्तुत किया। कहा कि असफलता मिलने पर डरें नहीं।

जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित उत्कृष्ट शिक्षा अभियान कार्यक्रम के दौरान छात्रों के साथ प्रतिकुलपति प्रो. अनुप कुमार गुप्ता व अवादा फाउंडेशन के पदाधिकारीगण ● सौ. जीएलए विवि

डा. अरुण भारद्वाज ने कहा कि असफलता, सफलता का विलोम नहीं है, बल्कि सफलता की पहली सीढ़ी है। करियर चुनने व जीवन को सफल बनाने के लिए जरूरी है, अपने अंदर की ताकत व कमजोरी को पहचानना। उन्होंने असफलता के बाद सफल होने वाले कई उद्यमियों और खिलाड़ियों के बारे में बताया। उन्होंने जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व बताते हुए नमस्ते का भावनात्मक अर्थ भी छात्रों से साझा किया। कहा कि शिक्षक छात्रों को ऐसा प्रभावी ज्ञान दें, जिससे वह कुछ सीखें।

अवादा फाउंडेशन की ट्रस्टी ऋतु पटवारी ने फाउंडेशन के बारे में जानकारी दी। फाउंडेशन के चेयरमैन विनीत मित्तल ने आभार जताया। प्रतिकुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि अवादा फाउंडेशन द्वारा शिक्षकों और छात्रों के लिए आयोजित दोनों ही सत्र प्रेरणादायक रहे। संचालन अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. दिव्या गुप्ता ने किया ।

अमर उजाला
आगरा | सोमवार, 17 अक्तूबर 2022
9

असफलता, सफलता की पहली सीढ़ी : डॉ. अरुण

मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय में अवादा फाउंडेशन के तत्वावधान में उत्कृष्ट शिक्षा अभियान की शुरूआत की गई। हैप्पीनेस इंजीनियर और मोटीवेशनल स्पीकर डॉ. अरुण भारद्वाज ने विद्यार्थियों को अपने सपनों को उड़ान देकर चैंपियन बनने की कला को विभिन्न गतिविधियों और प्रोजेक्टर प्रेजेंटेशन के साथ प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की ओर से पूछे गए सवालों का जवाब देकर उनकी शंकाओं को भी दूर किया।

अरुण ने कहा कि असफलता, सफलता का विलोम नहीं है, बल्कि सफलता की पहली सीढ़ी है। करियर चुनने एवं जीवन को सफल बनाने के लिए जरूरी है कि अपने अंदर की ताकत व कमजोरी को पहचानना। छोटी उम्र में ही अगर कोई काम करने की इच्छाशक्ति जागे तो उसको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उस काम में जुट जाना चाहिए। अक्सर ऐसा होता है कि वही काम आपको अलग पहचान दिला देता है। इसलिए लक्ष्य तय करना बहुत जरूरी है। बिना लक्ष्य तय किए कोई भी काम करना

दिशाविहीन ही रहता है। लक्ष्य तय करने के लिए क्या-क्या करना चाहिए, किन बिंदुओं पर ध्यान देना चाहिए। विद्यार्थियों को और विस्तार से बताने से पहले उन्होंने अपने जीवन की विफलताओं के अनुभव को साझा किया।

उन्होंने असफलता के बाद सफल होने वाले कई उद्यमियों और खिलाड़ियों के बारे में बताते हुए पीपीटी के माध्यम से एपीजे अब्दुल कलाम, रतन टाटा, लता मंगेशकर, सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा आदि सफलतम व्यक्तियों के जीवन से भी परिचय कराया। उन्होंने जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व बताते हुए नमस्ते का भावनात्मक अर्थ भी छात्रों से साझा किया।

डॉ. भारद्वाज ने कहा कि एक शिक्षक के द्वारा विद्यार्थी को प्रदान किए जाने वाला ज्ञान प्रभावी और सरल होना चाहिए। शिक्षक का दायित्व केवल छात्रों को विषय ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि उनके जीवन को परिवर्तित करने का एक स्त्रोत भी है। प्रतिकुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता व डॉ. दिव्या गुप्ता आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

आदर्श विद्यालय बनाने का लिया संकल्प

MATHURA : अवादा समूह की समाज कल्याण शाखा अवादा फाउंडेशन अपने प्रमुख कार्यक्रम 'उत्कृष्ट शिक्षा अभियान' के माध्यम से छात्रों में नैतिक और सामाजिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान की. अवादा फाउंडेशन अपने उत्कृष्ट शिक्षा अभियान के तहत 14 और 15 अक्टूबर को जी.एल.ए विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के लिए दो दिवसीय 'बी अ चैंपियन' और 'टीचिंग टू ट्रांसफॉर्म लाइफ' कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

6:09 PM
G L A A K Gupta Mat...
Today, 3:42 pm

हिन्दुस्तान
आगरा, सोमवार, 17 अक्तूबर 2022
06

जीएलए विवि में आयोजित उत्कृष्ट शिक्षा अभियान कार्यक्रम में छात्रों के साथ प्रतिकुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं अवादा फाउंडेशन के पदाधिकारी ।

शिक्षक व छात्र का संबंध शिक्षा का मूल आधार

मथुरा,हिन्दुस्तान संवाद। जीएलए विवि में अवादा फाउंडेशन के तत्वावधान में उत्कृष्ट शिक्षा अभियान की शुरूआत की गयी। हैप्पीनेस इंजीनियर एवं मोटीवेशनल स्पीकर डॉ. अरूण भारद्वाज ने विद्यार्थियों को अपने सपनों को उड़ान देकर चैंपियन बनने की कला को विभिन्न गतिविधियों और प्रोजेक्टर प्रेजेंटेशन से प्रस्तुत किया।

डॉ.भारद्वाज ने कहा कि असफलता, सफलता का विलोम नहीं है, बल्कि सफलता की पहली सीढ़ी है। करियर चुनने एवं जीवन को सफल बनाने के लिए जरूरी है अपने अंदर की ताकत व कमजोरी को पहचानना। कहा कि एक शिक्षक के द्वारा विद्यार्थी को प्रदान किए जाने वाला ज्ञान ऐसा प्रभावी और सरल होना चाहिए, जिससे विद्यार्थी उस ज्ञान के माध्यम से कुछ सीखने, जानने और उस पर अमल करने में सफल रहें। अवादा फाउंडेशन की ट्रस्टी ऋतु पटवारी ने फाउंडेशन के बारे में शिक्षक और विद्यार्थियों को जानकारी दी। इस दौरान फाउंडेशन के चेयरमैन विनीत मित्तल, प्रति कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने भी अपने विचार रखें। अंत में प्रो. गुप्ता ने अवादा फाउंडेशन की कॉर्डिनेटर डॉ. छवि अंकिता एवं ट्रस्टी रितु पटवारी को सम्मानित किया और विवि में आयोजित उत्कृष्ट शिक्षा अभियान कार्यक्रम की सराहना की। संचालन अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिव्या गुप्ता ने किया।